

## ॥ रुद्रपदपाठः ॥

ॐ। गुणानां॑ त्वा। गुणप॑तिमिति गुण-प॒तिम्। ह॒वाम॒हे।  
 क॒विम्। क॒वीनाम्। उ॒पम॑श्रवस्तम॒मित्यु॒पम॑श्रवः-त॒मम्॥  
 ज्येष्ठ॑राजमिति ज्येष्ठ-राजम्। ब्रह्म॑णाम्। ब्रह्म॒णः। प॒ते।  
 ए॒ति। नः। शृ॒ण्वन्। उ॒तिभि॑रित्यूति-भिः। सी॒द। सा॒दनम्॥  
 नमः॑। ते। रु॒द्र। म॒न्यवे॑। उ॒तो इति॑। ते। इ॒षवे॑। नमः॑॥  
 नमः॑। ते। अ॒स्तु। ध॒न्वने॑। बा॒हुभ्या॑मिति बा॒हु-भ्या॑म्।  
 उ॒त। ते। नमः॑॥ या। ते। इ॒षुः। शि॒वत॑मेति शि॒व-त॑मा।  
 शि॒वम्। ब॒भूव॑। ते। ध॒नुः॥ शि॒वा। श॒रव्या॑। या। त॒व।  
 तया॑। नः। रु॒द्र। मृ॒डय॑॥ या। ते। रु॒द्र। शि॒वा। त॒नूः।  
 अघो॑रा। अपा॑पकाशिनीत्यपा॑प-काशिनी॥ तया॑। नः। त॒नुवा॑।  
 शन्त॑मयेति श॒म-त॑मया। गि॒रिश॑न्तेति गि॒रि-श॑न्त। अ॒भीति॑।  
 चा॒कशी॑हि॥ याम्। इ॒षुम्। गि॒रिश॑न्तेति गि॒रि-श॑न्त।  
 ह॒स्तै॑। (१)

बिभ॑र्षि। अस्त॑वे॥ शि॒वाम्। गि॒रित्रे॑ति गि॒रि-त्र॑। ताम्।  
 कुरु॑। मा। हि॒५सीः। पुरु॑षम्। जग॑त्॥ शि॒वेन॑। वच॑सा।  
 त्वा। गि॒रिश॑। अ॒च्छा। व॒दाम॑सि॥ यथा॑। नः। स॒र्वम्। इत्।  
 जग॑त्। अ॒य॒क्ष्मम्। सु॒मना॑ इति सु-मनाः। अ॒सत्॥ अधी॑ति।  
 अ॒वोच॑त्। अ॒धि॒व॒क्तेत्य॑धि-व॒क्ता। प्र॒थ॒मः। दै॒व्यः। भि॒षक्॥  
 अ॒हीन्। च। स॒र्वान्। ज॒म्भय॑न्। स॒र्वाः। च। या॒तु॒धा॒न्य॑ इति  
 या॒तु॒धा॒न्यः॥ अ॒सौ। यः। ता॒म्रः। अ॒रु॒णः। उ॒त। ब॒भ्रुः।

सुमङ्गल इति सु-मङ्गलः॥ ये। च। इमाम्। रुद्राः। अभितः।  
दिक्षु। (२)

श्रिताः। सहस्रश इति सहस्र-शः। अवेति। एषाम्। हेडः।  
ईमहे॥ असौ। यः। अवसर्पतीत्यव-सर्पति। नीलग्रीव इति  
नील-ग्रीवः। विलोहित इति वि-लोहितः॥ उत। एनम्। गोपा  
इति गो-पाः। अदृशन्। अदृशन्। उदहार्य इत्युद-हार्यः॥ उत।  
एनम्। विश्वा। भूतानि। सः। दृष्टः। मृडयाति। नः॥ नमः।  
अस्तु। नीलग्रीवायेति नील-ग्रीवाय। सहस्राक्षायेति सहस्र-  
अक्षाय। मीढुषे॥ अथो इति। ये। अस्य। सत्वानः। अहम्।  
तेभ्यः। अकरम्। नमः॥ प्रेति। मुञ्च। धन्वनः। त्वम्। उभयोः।  
आर्त्रियोः। ज्याम्॥ याः। च। ते। हस्तैः। इषवः। (३)

परेति। ताः। भगव इति भग-वः। वप॥ अवतत्येत्यव-तत्य।  
धनुः। त्वम्। सहस्राक्षेति सहस्र-अक्ष। शतेषुध इति शत-  
इषुधे॥ निशीर्येति नि-शीर्य। शल्यानाम्। मुखी। शिवः। नः।  
सुमना इति सु-मनाः। भव॥ विज्यमिति वि-ज्यम्। धनुः।  
कपदिनः। विशल्य इति वि-शल्यः। बाणवानिति बाण-वान्।  
उत॥ अनेशन। अस्य। इषवः। आभुः। अस्य। निषङ्गथिः॥  
या। ते। हेतिः। मीढुष्टमेति मीढुः-तम्। हस्तैः। बभूव। ते।  
धनुः॥ तया। अस्मान्। विश्वतः। त्वम्। अयक्ष्मया। परीति।  
भुज॥ नमः। ते। अस्तु। आयुधाय। अनाततायेत्यना-तताय।

धृष्णवे॥ उ॒भाभ्या॑म्। उ॒त। ते। नमः॑। बा॒हुभ्या॑मि॒ति बा॒हु-  
भ्या॑म्। तव॑। धन्व॑ने॥ परी॑ति। ते। धन्व॑नः। हे॒तिः। अ॒स्मान्।  
वृ॒ण॒क्तु। वि॒श्वतः॑॥ अथो॒ इति॑। यः। इ॒षुधि॑रिती॒षु-धिः॑। तव॑।  
आ॒रे। अ॒स्मत्। नी॒ति। धे॒हि। तम्॥ (४)

नमः॑। हि॒र॑ण्यबा॒हव॒ इति॑ हि॒र॑ण्य-बा॒हवे॒। से॒ना॒न्य॑ इति॑  
से॒ना-न्यै॑। दि॒शाम्। च। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। वृ॒क्षेभ्यः॑।  
हरि॑केशेभ्य॒ इति॑ हरि॑-के॒शेभ्यः॑। प॒शूना॑म्। पत॑ये। नमः॑।  
नमः॑। स॒स्मिञ्ज॑राय। त्वि॒षी॑म॒त॒ इति॑ त्वि॒षी-म॒ते। प॒थी॑नाम्।  
पत॑ये। नमः॑। नमः॑। ब॒भ्रु॒शाय॑। वि॒व्या॒धिन् इति॑ वि-व्या॒धिने॑।  
अ॒न्ना॒नाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। हरि॑केशा॒येति॑ हरि॑-के॒शाय॑।  
उ॒प॒वी॒तिन् इत्यु॑प-वी॒तिने॑। पु॒ष्टा॒नाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑।  
भुव॑स्य॑। हे॒त्यै। जग॑ताम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। रु॒द्राय॑।  
आ॒त॒ता॒विन् इत्या॑-त॒ता॒विने॑। क्षे॒त्रा॒णाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑।  
सू॒ताय॑। अ॒ह॒न्त्या॑य। वना॑नाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। (५)

रोहि॑ताय। स्थ॒पत॑ये। वृ॒क्षा॒णा॑म्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। म॒न्त्रि॒णै॑।  
वा॒णि॒जाय॑। क॒क्षा॒णाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। भुव॑न्त॒र्यै॑।  
वा॒रि॒व॒स्कृ॒तायेति॑ वा॒रि॒वः-कृ॒ताय॑। ओष॑धी॒नाम्। पत॑ये।  
नमः॑। नमः॑। उ॒च्चैर्घो॑षा॒येत्यु॑च्चैः-घो॒षाय॑। आ॒क्र॒न्द॒य॒त॒ इत्या॑-  
क्र॒न्द॒य॒ते। प॒त्ती॒नाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। कृ॒थ्स्त्र॒वी॒तायेति॑  
कृ॒थ्स्त्र॒-वी॒ताय॑। धाव॑ते। स॒त्त्व॑नाम्। पत॑ये। नमः॑॥ (६)

नमः॑। स॒ह॒मा॒नाय॑। नि॒व्या॒धिन् इति॑ नि-व्या॒धिने॑।

आ॒व्या॒धिनी॑ना॒मित्या॑-व्या॒धिनी॑नाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑।  
 क॒कु॒भाय॑। नि॒ष॒ङ्गिण॑ इति॑ नि-स॒ङ्गिने॑। स्ते॒नाना॑म्। पत॑ये।  
 नमः॑। नमः॑। नि॒ष॒ङ्गिण॑ इति॑ नि-स॒ङ्गिने॑। इ॒षु॒धि॒मत॑ इती॑षु॒धि॒-  
 मते॑। तस्के॑राणाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। व॒श्व॒ते। प॒रि॒व॒श्व॒त॑  
 इति॑ प॒रि॒व॒श्व॒ते। स्ता॒यू॒नाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। नि॒चे॒र॒व॑  
 इति॑ नि-चे॒र॒वे॑। प॒रि॒च॒रा॒येति॑ प॒रि॒च॒रा॒य॑। अ॒र॒ण्या॒नाम्।  
 पत॑ये। नमः॑। नमः॑। सू॒का॒वि॒भ्य॑ इति॑ सू॒का॒वि॒भ्यः॑।  
 जि॒घा॑स॒द्भ्य॑ इति॑ जि॒घा॑स॒त्-भ्यः॑। मु॒ष्ण॒ताम्। पत॑ये।  
 नमः॑। नमः॑। अ॒सि॒म॒द्भ्य॑ इत्य॑सि॒म॒त्-भ्यः॑। न॒क्त॒म्। च॒र॒द्भ्य॑  
 इति॑ च॒र॒त्-भ्यः॑। प्र॒कृ॒न्ता॒ना॒मिति॑ प्र-कृ॒न्ता॒ना॑म्। पत॑ये। नमः॑।  
 नमः॑। उ॒ष्णी॒षि॒णे॑। गि॒रि॒च॒रा॒येति॑ गि॒रि॒च॒रा॒य॑। कु॒लु॒श्वा॒ना॑म्।  
 पत॑ये। नमः॑। नमः॑। (७)

इ॒षु॒म॒द्भ्य॑ इती॑षु॒म॒त्-भ्यः॑। ध॒न्वा॒वि॒भ्य॑ इति॑ ध॒न्वा॒वि॒भ्यः॑।  
 च॒। वः॑। नमः॑। नमः॑। आ॒त॒न्वा॒ने॒भ्य॑ इत्या॑-त॒न्वा॒ने॒भ्यः॑।  
 प्र॒ति॒द॒धा॒ने॒भ्य॑ इति॑ प्र॒ति॒द॒धा॒ने॒भ्यः॑। च॒। वः॑। नमः॑। नमः॑।  
 आ॒य॒च्छ॒द्भ्य॑ इत्या॑य॒च्छ॒त्-भ्यः॑। वि॒सृ॒ज॒द्भ्य॑ इति॑ वि॒सृ॒ज॒त्-भ्यः॑।  
 च॒। वः॑। नमः॑। नमः॑। अ॒स्य॒द्भ्य॑ इत्य॑स्य॒त्-भ्यः॑। वि॒ध्य॒द्भ्य॑  
 इति॑ वि॒ध्य॒त्-भ्यः॑। च॒। वः॑। नमः॑। नमः॑। आ॒सी॒ने॒भ्यः॑।  
 श॒या॒ने॒भ्यः॑। च॒। वः॑। नमः॑। नमः॑। स्व॒प॒द्भ्य॑ इति॑ स्व॒प॒त्-भ्यः॑।  
 जा॒ग्र॒द्भ्य॑ इति॑ जा॒ग्र॒त्-भ्यः॑। च॒। वः॑। नमः॑। नमः॑। ति॒ष्ठ॒द्भ्य॑  
 इति॑ ति॒ष्ठ॒त्-भ्यः॑। धा॒व॒द्भ्य॑ इति॑ धा॒व॒त्-भ्यः॑। च॒। वः॑। नमः॑।

नमः। स॒भाभ्यः। स॒भाप॑तिभ्य॒ इति॑ स॒भाप॑ति-भ्यः। च। वः।  
 नमः। नमः। अ॒श्वेभ्यः। अ॒श्वप॑तिभ्य॒ इत्य॑श्वपति-भ्यः। च।  
 वः। नमः॥ (८)

नमः। आ॒व्या॒धिनी॑भ्य॒ इत्या॑-व्या॒धिनी॑भ्यः। वि॒विध्य॑न्तीभ्य॒  
 इति॑ वि-विध्य॑न्तीभ्यः। च। वः। नमः। नमः। उ॒ग॒णाभ्यः।  
 तृ॒ह॒तीभ्यः। च। वः। नमः। नमः। गृ॒थ्सेभ्यः। गृ॒थ्स॑प॒तिभ्य॒  
 इति॑ गृ॒थ्स॑प॒ति-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। ब्रा॒तेभ्यः।  
 ब्रा॒त॑प॒तिभ्य॒ इति॑ ब्रा॒त॑प॒ति-भ्यः। च। वः। नमः। नमः।  
 गु॒णेभ्यः। गु॒णप॑तिभ्य॒ इति॑ गु॒णप॑ति-भ्यः। च। वः। नमः।  
 नमः। वि॒रूपे॑भ्य॒ इति॑ वि-रूपे॑भ्यः। वि॒श्वरूपे॑भ्य॒ इति॑  
 वि॒श्व-रूपे॑भ्यः। च। वः। नमः। नमः। म॒हद्भ्य॒ इति॑ म॒हत्-भ्यः।  
 क्षु॒ल्लके॑भ्यः। च। वः। नमः। नमः। र॒थिभ्य॒ इति॑ र॒थि-भ्यः।  
 अ॒र॒थेभ्यः। च। वः। नमः। नमः। र॒थेभ्यः। (९)

र॒थ॑प॒तिभ्य॒ इति॑ र॒थ॑प॒ति-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। से॒नाभ्यः।  
 से॒ना॒निभ्य॒ इति॑ से॒ना॒नि-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। क्ष॒त्तृभ्य॒  
 इति॑ क्ष॒त्तृ-भ्यः। स॒ङ्ग॒हीतृ॑भ्य॒ इति॑ स॒ङ्ग॒हीतृ॑-भ्यः। च। वः।  
 नमः। नमः। तक्ष॑भ्य॒ इति॑ तक्ष॑-भ्यः। र॒थ॒का॒रेभ्य॒ इति॑ र॒थ॒-  
 का॒रेभ्यः। च। वः। नमः। नमः। कु॒ला॒लेभ्यः। क॒म॒रिभ्यः। च।  
 वः। नमः। नमः। पु॒ञ्जिष्टे॑भ्यः। नि॒षा॒देभ्यः। च। वः। नमः।  
 नमः। इ॒षुकृ॑द्भ्य॒ इति॑ इ॒षुकृ॑त्-भ्यः। ध॒न्व॒कृ॑द्भ्य॒ इति॑ ध॒न्व॒कृ॑त्-  
 भ्यः। च। वः। नमः। नमः। मृ॒ग॒युभ्य॒ इति॑ मृ॒ग॒यु-भ्यः। श्व॒निभ्य॒

इति॑ श्व॒नि-भ्यः॑। च॒। वः॑। नमः॑। नमः॑। श्व॒भ्य इति॑ श्व॒भ्यः॑।  
 श्व॒प॒तिभ्य॑ इति॑ श्व॒प॒ति-भ्यः॑। च॒। वः॑। नमः॑॥ (१०)

नमः॑। भ॒वाय॑। च॒। रु॒द्राय॑। च॒। नमः॑। श॒र्वाय॑। च॒। प॒शुप॑त॒य  
 इति॑ प॒शु-प॑त॒ये। च॒। नमः॑। नी॒ल॒ग्री॒वायेति॑ नी॒ल॒-ग्री॒वाय॑।  
 च॒। शि॒ति॒क॒ण्ठायेति॑ शि॒ति॒-क॒ण्ठाय॑। च॒। नमः॑। क॒प॒र्दि॒ने।  
 च॒। व्यु॒त्त॒केशा॑येति॑ व्यु॒त्त॒-केशा॑य॒। च॒। नमः॑। स॒ह॒स्रा॒क्षाय॑ेति॑  
 स॒ह॒स्र॒-अ॒क्षाय॑। च॒। श॒त॒ध॒न्व॒न इति॑ श॒त॒-ध॒न्व॒ने। च॒।  
 नमः॑। गि॒रि॒शाय॑। च॒। शि॒पि॒वि॒ष्टायेति॑ शि॒पि॒-वि॒ष्टाय॑। च॒।  
 नमः॑। मी॒ढु॒ष्ट॒मायेति॑ मी॒ढुः-त॒माय॑। च॒। इ॒षु॒म॒त इ॒तीषु॑-म॒ते।  
 च॒। नमः॑। ह॒स्वाय॑। च॒। वा॒म॒नाय॑। च॒। नमः॑। बृ॒ह॒ते।  
 च॒। व॒र्षी॑य॒से। च॒। नमः॑। वृ॒द्धाय॑। च॒। सं॒वृ॒ध्व॒न इति॑  
 स॒म्-वृ॒ध्व॒ने। च॒। (११)

नमः॑। अ॒ग्रि॒याय॑। च॒। प्र॒थ॒माय॑। च॒। नमः॑। आ॒श॒वै। च॒।  
 अ॒जि॒राय॑। च॒। नमः॑। शी॒घ्रि॒याय॑। च॒। शी॒भ्याय॑। च॒।  
 नमः॑। ऊ॒र्म्याय॑। च॒। अ॒व॒स्व॒न्यायेत्य॑व॒-स्व॒न्याय॑। च॒। नमः॑।  
 स्रो॒त॒स्याय॑। च॒। द्वी॒प्याय॑। च॒॥ (१२)

नमः॑। ज्ये॒ष्ठाय॑। च॒। क॒नि॒ष्ठाय॑। च॒। नमः॑। पू॒र्व॒जायेति॑  
 पू॒र्व॒-जाय॑। च॒। अ॒प॒र॒जायेत्य॑प॒र॒-जाय॑। च॒। नमः॑। म॒ध्य॒माय॑।  
 च॒। अ॒प॒ग॒ल्भायेत्य॑प॒-ग॒ल्भाय॑। च॒। नमः॑। ज॒घ॒न्याय॑।  
 च॒। बु॒ध्रि॒याय॑। च॒। नमः॑। सो॒भ्याय॑। च॒। प्र॒ति॒स॒र्यायेति॑  
 प्र॒ति॒-स॒र्याय॑। च॒। नमः॑। या॒म्याय॑। च॒। क्षे॒म्याय॑। च॒।

नमः। उ॒र्व॒र्या॑य। च। ख॒ल्या॑य। च। नमः। श्लो॒क्या॑य।  
 च। अ॒व॒सा॒न्या॑येत्य॒व॒सा॒न्या॑य। च। नमः। व॒न्या॑य। च।  
 क॒क्ष्या॑य। च। नमः। श्र॒वा॑य। च। प्र॒ति॒श्र॒वा॑येति॑ प्र॒ति॒श्र॒वा॑य।  
 च। (१३)

नमः। आ॒शु॒षे॑णा॒येत्या॒शु॒से॒ना॑य। च। आ॒शु॒र॒था॑येत्या॒शु॒र॒था॑य।  
 च। नमः। शू॒रा॑य। च। अ॒व॒भि॒न्द॒त इत्य॑व॒भि॒न्द॒ते। च। नमः।  
 व॒र्मि॑णे। च। व॒रू॒थि॑ने। च। नमः। बि॒ल्मि॑ने। च। क॒व॒चि॑ने।  
 च। नमः। श्रु॒ता॑य। च। श्रु॒त॒से॒ना॑येति॑ श्रु॒त॒से॒ना॑य। च॥ (१४)  
 नमः। दु॒न्दु॒भ्या॑य। च। आ॒ह॒न॒न्या॑येत्या॒ह॒न॒न्या॑य। च। नमः।  
 धृ॒ष्ण॑वे। च। प्र॒मृ॒शा॑येति॑ प्र॒मृ॒शा॑य। च। नमः। दू॒ता॑य। च।  
 प्र॒हि॒ता॑येति॑ प्र॒हि॒ता॑य। च। नमः। नि॒ष॒ङ्गि॑ण॒ इति॑ नि॒स॒ङ्गि॑ने।  
 च। इ॒षु॒धि॑म॒त इती॑षु॒धि॑म॒ते। च। नमः। ती॒क्ष्णेष॑व॒ इति॑  
 ती॒क्ष्ण॑-इ॒ष॑वे। च। आ॒यु॒धि॑ने। च। नमः। स्वा॒यु॒धा॑येति॑ सु॒-  
 आ॒यु॒धा॑य। च। सु॒ध॒न्व॑न॒ इति॑ सु॒ध॒न्व॑ने। च। नमः। सु॒त्या॑य।  
 च। प॒थ्या॑य। च। नमः। का॒ट्या॑य। च। नी॒प्या॑य। च। नमः।  
 सू॒द्या॑य। च। स॒र॒स्या॑य। च। नमः। ना॒द्या॑य। च। वै॒श॒न्ता॑य।  
 च। (१५)

नमः। कू॒प्या॑य। च। अ॒व॒ट्या॑य। च। नमः। व॒र्ष्या॑य। च।  
 अ॒व॒र्ष्या॑य। च। नमः। मे॒घ्या॑य। च। वि॒द्यु॒त्या॑येति॑ वि॒द्यु॒त्या॑य।  
 च। नमः। ई॒ध्रि॑या॑य। च। आ॒त॒प्या॑येत्या॒त॒प्या॑य। च। नमः।  
 वा॒त्या॑य। च। रे॒ष्मि॑या॑य। च। नमः। वा॒स्त॒व्या॑य। च।

वा॒स्तु॒पा॒येति॑ वा॒स्तु-पा॒य। च॥ (१६)

नमः॑। सो॒मा॒य। च। रु॒द्रा॒य। च। नमः॑। ता॒म्रा॒य। च। अ॒रु॒णा॒य।  
 च। नमः॑। श॒ङ्गा॒य। च। प॒शु॒प॒त॒य॒ इति॑ प॒शु-प॒त॒ये। च।  
 नमः॑। उ॒ग्रा॒य। च। भी॒मा॒य। च। नमः॑। अ॒ग्रे॒व॒धा॒येत्य॑ग्रे-व॒धा॒य।  
 च। दू॒रे॒व॒धा॒येति॑ दू॒रे-व॒धा॒य। च। नमः॑। ह॒न्त्रे। च। ह॒नी॒य॒से।  
 च। नमः॑। वृ॒क्षे॒भ्यः। ह॒रि॒केशे॒भ्य॒ इति॑ ह॒रि॒-केशे॒भ्यः। नमः॑।  
 ता॒रा॒य। नमः॑। श॒म्भ॒व॒ इति॑ श॒म्-भ॒वै। च। म॒यो॒भ॒व॒ इति॑ म॒यः-  
 भ॒वै। च। नमः॑। श॒ङ्क॒रा॒येति॑ श॒म्-क॒रा॒य। च। म॒य॒स्क॒रा॒येति॑  
 म॒यः-क॒रा॒य। च। नमः॑। शि॒वा॒य। च। शि॒व॒त॒रा॒येति॑ शि॒व-  
 त॒रा॒य। च। (१७)

नमः॑। ती॒र्था॒य। च। कू॒ल्या॒य। च। नमः॑। पा॒र्या॒य।  
 च। अ॒वा॒र्या॒य। च। नमः॑। प्र॒त॒र॒णा॒येति॑ प्र-त॒र॒णा॒य।  
 च। उ॒त्त॒र॒णा॒येत्यु॒त्-त॒र॒णा॒य। च। नमः॑। आ॒ता॒र्या॒येत्या॑-  
 ता॒र्या॒य। च। आ॒ला॒द्या॒येत्या॑-ला॒द्या॒य। च। नमः॑। श॒ष्या॒य।  
 च। फे॒न्या॒य। च। नमः॑। सि॒क॒त्या॒य। च। प्र॒वा॒ह्या॒येति॑  
 प्र-वा॒ह्या॒य। च॥ (१८)

नमः॑। इ॒रि॒ण्या॒य। च। प्र॒प॒थ्या॒येति॑ प्र-प॒थ्या॒य। च। नमः॑।  
 कि॒॒शिला॒य। च। क्ष॒य॒णा॒य। च। नमः॑। क॒प॒र्दि॒नै। च।  
 पु॒ल॒स्त॒यै। च। नमः॑। गो॒ष्ठ्या॒येति॑ गो-स्थ्या॒य। च। गृ॒ह्या॒य।  
 च। नमः॑। त॒ल्प्या॒य। च। गे॒ह्या॒य। च। नमः॑। का॒ट्या॒य।  
 च। गृ॒ह्मे॒ष्टा॒येति॑ गृ॒ह्मे-स्था॒य। च। नमः॑। हृ॒द॒य्या॒य। च।



नि॒वे॒ष्या॑येति॒ नि-वे॒ष्या॑य। च॒। नमः॑। पा॒२स॒व्या॑य। च॒।  
र॒ज॒स्या॑य। च॒। नमः॑। शु॒ष्क्या॑य। च॒। ह॒रि॒त्या॑य। च॒। नमः॑।  
लो॒प्या॑य। च॒। उ॒ल॒प्या॑य। च॒। (१९)

नमः॑। ऊ॒र्व्या॑य। च॒। सू॒र्म्या॑य। च॒। नमः॑। पु॒र्ण्या॑य। च॒।  
प॒र्ण॒श॒द्या॑येति॒ पर्ण॑-श॒द्या॑य। च॒। नमः॑। अ॒प॒गु॒रमा॑णायेत्य॒प॒-  
गु॒रमा॑णाय। च॒। अ॒भि॒घ्न॒त इत्य॑भि॒घ्न॒ते। च॒। नमः॑। आ॒खि॒ख॒द॒त  
इत्या॑-खि॒द॒ते। च॒। प्र॒खि॒ख॒द॒त इति॑ प्र॒-खि॒द॒ते। च॒। नमः॑। वः॑।  
कि॒रि॒केभ्यः॑। दे॒वाना॑म्। हृद॑येभ्यः। नमः॑। वि॒क्षी॒णके॑भ्य॒ इति॑  
वि॒-क्षी॒णके॑भ्यः। नमः॑। वि॒चि॒न्व॒त्के॑भ्य॒ इति॑ वि॒-चि॒न्व॒त्के॑भ्यः।  
नमः॑। आ॒नि॒र॒ह॒तेभ्य॑ इत्या॑निः-हृ॒तेभ्यः॑। नमः॑। आ॒मी॒व॒त्के॑भ्य॒  
इत्या॑-मी॒व॒त्के॑भ्यः॥ (२०)

द्रा॒पै॑। अ॒न्य॑सः। प॒ते। द॒रि॒द्र॒त्। नी॒ल॑लो॒हि॒तेति॑ नी॒ल॑-लो॒हि॒त्॥  
ए॒षाम्। पु॒रु॒षाणा॑म्। ए॒षाम्। प॒शूना॑म्। मा॒। भेः॑। मा॒। अ॒रः॑।  
मो॒ इति॑। ए॒षाम्। कि॒म्। च॒न। आ॒म॒म॒त्॥ या॒। ते॒। रु॒द्र।  
शि॒वा। त॒नूः। शि॒वा। वि॒श्वा॒ह॑भे॒ष॒जी॒ति॑ वि॒श्वा॒ह॑-भे॒ष॒जी॒॥  
शि॒वा। रु॒द्रस्य॑। भे॒ष॒जी॒। तया॑। नः॑। मृ॒डा। जी॒व॒सै॑॥ इ॒माम्।  
रु॒द्राय॑। त॒व॒सै॑। क॒प॒र्दि॒नै॑। क्ष॒य॒द्वी॒रा॒येति॑ क्ष॒य॒त्-वी॒रा॒य॒।  
प्रे॒ति॑। भ॒रा॒म॒हे। म॒ति॒म्॥ यथा॑। नः॑। श॒म्। अ॒स॒त्। द्वि॒प॒द  
इति॑ द्वि॒-प॒दे॑। च॒तु॑ष्प॒द इति॑ च॒तुः॑-प॒दे॑। वि॒श्व॒म्। पु॒ष्ट॒म्।  
ग्रा॒मे॑। अ॒स्मिन्। (२१)

अना॑तु॒र॒मित्य॑ना॑-तु॒र॒म्॥ मृ॒डा। नः॑। रु॒द्र। उ॒ता। नः॑। म॒यः॑।

कृ॒धि। क्ष॒यद्वी॑रा॒येति॑ क्ष॒यत्-वी॒राय॑। नम॑सा। वि॒धेम॑। ते॒॥  
 यत्। शम्। च। योः। च। मनुः॑। आ॒य॒ज इत्या॑-य॒जे। पि॒ता।  
 तत्। अ॒श्या॒म। तव॑। रु॒द्र। प्र॒णी॑ता॒विति॑ प्र-नी॒तौ॥ मा। नः॑।  
 म॒हान्त॑म्। उ॒त। मा। नः॑। अ॒र्भ॒कम्। मा। नः॑। उ॒क्षन्त॑म्। उ॒त।  
 मा। नः॑। उ॒क्षित॑म्॥ मा। नः॑। व॒धीः। पि॒तर॑म्। मा। उ॒त।  
 मा॒तर॑म्। प्रि॒याः। मा। नः॑। त॒नुवः॑। (२२)

रु॒द्र। री॒रि॒षः॥ मा। नः॑। तो॒के। तन॑ये। मा। नः॑। आ॒यु॑षि।  
 मा। नः॑। गो॒षु। मा। नः॑। अ॒श्वेषु॑। री॒रि॒षः॥ वी॒रान्। मा।  
 नः॑। रु॒द्र। भा॒मितः॑। व॒धीः। ह॒विष्म॑न्तः। नम॑सा। वि॒धेम॑। ते॒॥  
 आ॒रात्। ते। गो॒घ्न इति॑ गो-घ्ने। उ॒त। पू॒रुष॑घ्न इति॑ पू॒रुष॑-घ्ने।  
 क्ष॒यद्वी॑रा॒येति॑ क्ष॒यत्-वी॒राय॑। सु॒म्रम्। अ॒स्मे इति॑। ते। अ॒स्तु॥  
 रक्षा॑। च। नः॑। अधी॑ति। च। दे॒व। ब्रू॒हि। अधा॑। च। नः॑।  
 शर्म॑। य॒च्छ। द्वि॒बर्हा॑ इति॑ द्वि-बर्हाः॑॥ स्तु॒हि। (२३)

श्रु॒तम्। गर्त॑स॒दमि॑ति॒ गर्त॑-स॒दम्। यु॒वा॑नम्। मृ॒गम्। न।  
 भी॒मम्। उ॒प॒ह॒लुम्। उ॒ग्रम्॥ मृ॒डा। ज॒रि॒त्रे। रु॒द्र। स्त॒वा॑नः।  
 अ॒न्यम्। ते। अ॒स्मत्। नी॒ति। व॒प॒न्तु। से॒नाः॥ परी॑ति।  
 नः॑। रु॒द्रस्य॑। हे॒तिः। वृ॒ण॒क्तु। परी॑ति। त्वे॒षस्य॑। दु॒र्म॒तिरि॑ति॒  
 दुः-म॒तिः। अ॒घा॒यो॒रित्य॑घा-योः॥ अ॒वेति॑। स्थि॒रा। म॒घव॑न्द्ध्य  
 इति॑ म॒घव॑त्-भ्यः। त॒नुष्व॑। मी॒ढः। तो॒काय॑। तन॑याय।  
 मृ॒डय॑॥ मी॒ढुष्ट॑मेति॒ मी॒ढुः-त॒म्। शि॒व॒त॒मेति॑ शि॒व॒-त॒म्।  
 शि॒वः। नः॑। सु॒म॒ना इति॑ सु-म॒नाः। भ॒व॥ प॒र॒मे। वृ॒क्षे।

आयुधम्। निधायेति नि-धाय। कृत्तिम्। वसानः। एति।  
चर। पिनाकम्। (२४)

बिभ्रत्। एति। गृहि॥ विकिरिदेति वि-किरिद्। विलोहितेति  
वि-लोहित। नमः। ते। अस्तु। भगव इति भग-वः॥ याः। ते।  
सहस्रम्। हेतयः। अन्यम्। अस्मत्। नीति। वपन्तु। ताः॥  
सहस्राणि। सहस्रधेति सहस्र-धा। बाहुवोः। तव। हेतयः॥  
तासाम्। ईशानः। भगव इति भग-वः। प्राचीना। मुखा।  
कृधि॥ (२५)

सहस्राणि। सहस्रश इति सहस्र-शः। ये। रुद्राः। अधीति।  
भूम्याम्॥ तेषाम्। सहस्रयोजन इति सहस्र-योजने। अवेति।  
धन्वानि। तन्मसि॥ अस्मिन्। महति। अर्णवे। अन्तरिक्षे।  
भवाः। अधि॥ नीलग्रीवा इति नील-ग्रीवाः। शितिकण्ठा  
इति शिति-कण्ठाः। शर्वाः। अधः। क्षमाचराः॥ नीलग्रीवा  
इति नील-ग्रीवाः। शितिकण्ठा इति शिति-कण्ठाः। दिवम्।  
रुद्राः। उपश्रिता इत्युप-श्रिताः॥ ये। वृक्षेषु। सस्मिञ्जराः।  
नीलग्रीवा इति नील-ग्रीवाः। विलोहिता इति वि-लोहिताः॥  
ये। भूतानाम्। अधिपतय इत्यधि-पतयः। विशिखास इति  
वि-शिखासः। कपर्दिनः॥ ये। अत्रेषु। विविध्यन्तीति वि-  
विध्यन्ति। पात्रेषु। पिबतः। जनान्॥ ये। पथाम्। पथिरक्षय  
इति पथि-रक्षयः। ऐलवृदाः। यव्युधः॥ ये। तीर्थानि। (२६)

प्रचरन्तीति प्र-चरन्ति। सृकावन्त इति सृका-वन्तः। निषङ्गिण